पाठ-14- सूरज भाई की दुकान

कठिन शब्द:- अखाड़ा, किरण, झाड़, कोहरा, उषा, अँधेरा, गरमाहट

शब्दार्थ:- अखाड़ा - पहलवानों के लड़ने का स्थान, उषा- प्रातः काल, जब केवल लाली छाती है,आपा-धापी- भागम-भाग/व्यस्तता

वाक्य निर्माण : 1. अँधेरा , 2. दुकान ,3. उषा ,4. किरण , 5. सूरज

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

क) सूरज के उगने पर क्या-क्या होता है ?

उत्तर- सूरज उगने पर चारों ओर उजाला फैल जाता है। सब लोग नींद से जाग जाते हैं।

(ख) 'शाम हुई दुकान समेटी' पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- इस पंक्ति से आशय यह है कि शाम होते ही सूरज की रोशनी कम हो जाती है और अँधेरा हो जाता है।

(ग) 'लाल चादर' कवि ने किसे और क्यों कहा है?

उत्तर- सुबह की पहली किरणों से जो लाली छा जाती है , उसे कवी ने लाल चादर कहा है।

(घ) सूरज का सौदा किस-किस को कहा गया है?

उत्तर- सूरज का सौदा धूप और गरमाहट को कहा गया है।

अतिरिक्त प्रश्न / उत्तर

प्र० क. सूरज ने आते ही अँधेरे को कैसे दूर किया?

उत्तर – सूरज ने अपनी किरणों की झाड़ू से अँधेरा दूर किया।

प्र० ख. ' **जो थक कर सोए थे** ' सूरज ने उन्हें कैसे जगाया?

उत्तर – खिड़की और दरवाज़े में झाँक- झाँकआवाज़ लगाईं।

प्र० ग. सूरज ने किसकी रज़ाई ओढ़ली?

उत्तर – सूरज ने बादलों की रज़ाई ओढ़ली।